

संधि के ऋद - ③



① स्वर संधि के ऋद - ⑤

⇒ ② विष्णु संधि -

③ लघुजन संधि -

② विभक्ति हेतु -

① विभक्ति (०) का विभक्ति (०) में परिवर्तन -

प्रातः काल , पुनः आगमन , निः शुल्क , निः शब्द

प्रातः + काल , पुनः + आगमन , निः + शुल्क , निः + शब्द

अतः एवम्

अतः + एवम्

② इ का विपर्यय (ः) में परिवर्तन -

③ ⇒ निर्धन, दुर्दशा, निर्विशेष, दुर्दिन, निर्दय, दुर्गम

② निर + धन, दुर + दशा, निर + विशेष, दुर + दिन, निर + दय, दुर + गम

① निः + धन, दुः + दशा, निः + विशेष, दुः + दिन, निः + दय, दुः + गम

नोट :- निः (उपसर्ग) ⇒ अभाव, बिना, रहित
निर्धन ×
दुः (उपसर्ग) ⇒ बुरा, कठिन

दुः + आ + दशा

③ इसका निर्माण (०) में परिवर्तन -

③ निस्संवेह, निस्तेज, दुस्साहस, दुस्तेज

② निः + संवेह, निः + तेज, दुः + साहस, दुः + तेज

④ निः + संवेह, निः + तेज, दुः + साहस, दुः + तेज

④ इ का विकर्ण (:) से परिवर्तन -

③ ⇒ निश्चल, निश्चल, निश्चित, निश्चय, दुश्चरित्र, दुश्चार

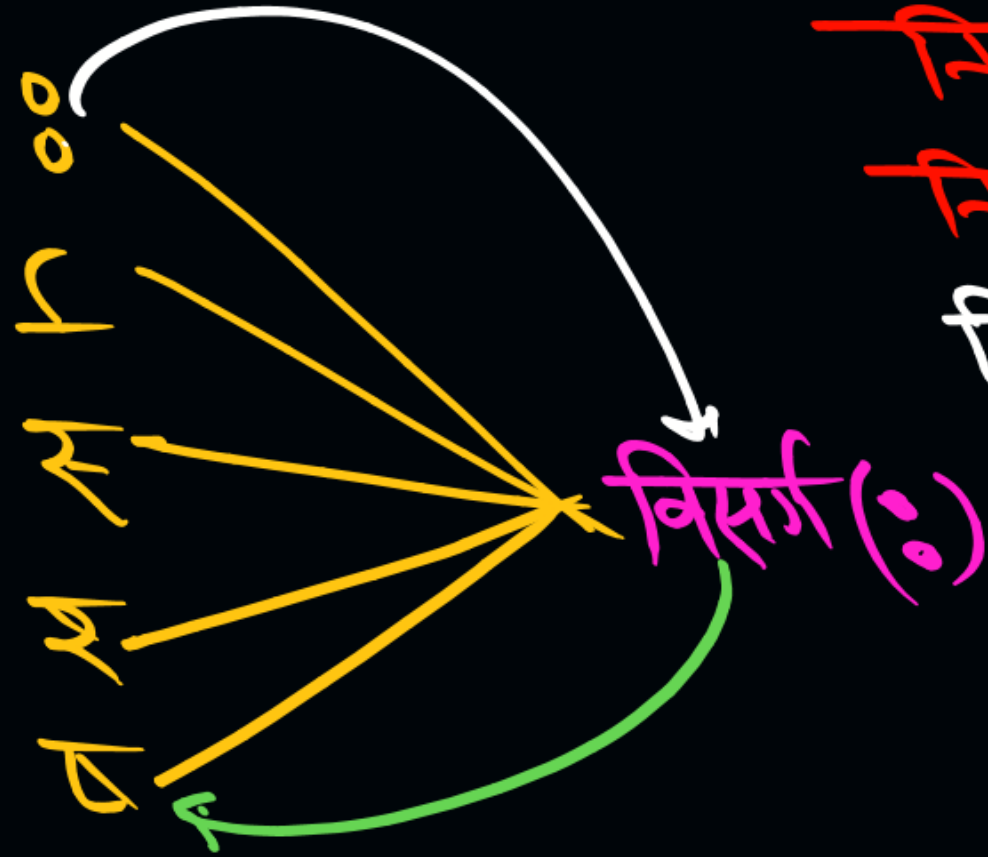
② निश् + चल, निश् + चल, निश् + चित, निश् + चय, दुश् + चरित्र, दुश् + चार

① निः + चल, निः + चल, निः + चित, निः + चय, दुः + चरित्र, दुः + चार

⑤ इ का निष्पत्ति (०) चे परिवर्तन -

3. निष्फल, निष्काम, निष्कामन, दुष्परिणाम, दुष्कर
2. निष्^{१५} + फल, निष्^{१५} + काम, निष्^{१५} + कामन, दुष्^{१५} + परिणाम, दुष्^{१५} + कर
1. निष्^{१५} + फल, निष्^{१५} + काम, निष्^{१५} + कामन, दुष्^{१५} + परिणाम, दुष्^{१५} + कर
- बुरा कठिन

① विसर्ग रेखि का पहला नियम -



विसर्ग =
 निर + गत
 निर + गत

- ① अन्तरिक्षीय
- ② अन्तर + राक्षीय
- ③ अन्तर + राक्षीय

⑥ मनः (विराज) का प्रो में परिवर्तन -

- ② मनः विज्ञान . मनः अनुकूल , मनः दशा , मनः प्रिलाषा , मनः ज , मनः रण
- ① मनः + विज्ञान . मनः + अनुकूल , मनः + दशा , मनः + प्रिलाषा , मनः + ज , मनः + रण

मन = (मात्रा)
 ॥
 ५०/१५

⑦ यशः (विसर्ग) का ओ में परिवर्तन -

यशोदा, यशोधरा, यशोमति, यशोवर्धन, यशोगाथा

यशः + दा, यशः + धरा, यशः + मति, यशः + वर्धन, यशः + गाथा

⑧ तपः (विसर्ग) का ओ में परिवर्तन -

तपोवन, तपोभूमि, तपोगाथी, तपोधन, तपोरत

तपः + वन, तपः + भूमि, तपः + गाथी, तपः + धन, तपः + रत

⑨ अद्यः (विभक्ति) का ओ से परिवर्तन -
 नीचे

अधीलिखित
 अद्यः + लिखित
 नीचे

अद्योपतन, अद्योगामी, अद्योन्तति, अद्योरत

अर्द्ध = आधा

अद्यः + पतन, अद्यः + गामी, अद्यः + उन्तति, अद्यः + रत

⑩ पद्यः (विभक्ति) का ओ से परिवर्तन -

धि = धारण करने वाला

द = देने वाला

ज = जग लेने वाला

पद्योधि, पद्योद, पद्योज, पद्योदर

पद्यः + धि, पद्यः + द, पद्यः + ज, पद्यः + धर

①॥ सतेगुण , रजेगुण , तमेगुण , वयेवृद्ध

सतः + गुण , रजः + गुण , तमः + गुण , वयः + वृद्ध

* विष्णु (२) शक्ति का दूसरा निष्पन्न -

